18. विविध

(MISCELLANEOUS)

18.1. मोनकॉस दो रीनो

(Moncoes do Reino)

अभिलेखागार के क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहित करने हेतु पुर्तगाल ने एक नए समझौते के अंतर्गत "मोनकॉस दो रीनो" (मॉनसून कॉरिस्पोंडेंस)नामक प्रलेखों का एक संग्रह भारत को सौंपा है।

- इस संग्रह में लिस्बन से गोवा के मध्य हुआ सीधा/प्रत्यक्ष पत्राचार सम्मिलित है जिसके अंतर्गत अरब एवं यूरोपीय शक्तियों के बीच की व्यापार प्रतिद्वंद्विता तथा दक्षिण एशिया एवं पूर्व एशिया के पड़ोसी राजाओं के साथ उनके संबंधों का विवरण दर्ज है।

18.2. महानदी से संलग्न विरासत स्थलों को दर्ज करने हेतु INTACH

(INTACH to document heritage sites along Mahanadi River)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- **इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH)** ने **महानदी के दोनों किनारों पर स्थित मूर्त एवं अमूर्त विरासत स्थलों के दस्तावेजीकरण हेतु** एक कार्यक्रम प्रारम्भ किया है।

INTACH

- **द इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH)** की स्थापना वर्ष 1984 में नई दिल्ली में की गई थी। इसका उद्देश्य भारत में विरासत के प्रति जागरूकता फैलाना और उनका संरक्षण करना है। इसे एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया है।

कार्यक्रम के बारे में

- यह महानदी के दोनों किनारों पर लगभग 1000 कि.मी. क्षेत्र को कवर करेगा।
- इसके तहत मूर्त एवं अमूर्त दोनों प्रकार के विरासत स्थलों को कवर किया जाएगा तथा महत्वपूर्ण विरासत संरचनाओं की फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी की जाएगी।
- यह संरक्षण श्रमिकों, इतिहासकारों, छात्रों एवं शोधकर्ताओं हेतु एक रोडमैप की तरह कार्य करेगा।

18.3. इंदिरा गाँधी पुरस्कार

(Indira Gandhi Prize)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 2004 से 2014 के बीच देश का नेतृत्व करने तथा वैश्विक स्तर पर भारत का कद बढ़ाने हेतु 2017 का इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार के बारे में

- इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार, इंदिरा गाँधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रदान किया जाता है। इसकी स्थापना 1986 में की गई थी।
- यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय शांति, विकास एवं एक नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए रचनात्मक प्रयासों को मान्यता देते हुए ऐसा करने वाले व्यक्तियों अथवा संगठनों को प्रति वर्ष प्रदान किया जाता है। इस प्रक्रिया में यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि वैज्ञानिक खोजों का उपयोग मानवता की व्यापक भलाई और स्वतंत्रता का दायरा बढ़ाने के लिए हो।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग इस पुरस्कार के पिछले दो प्राप्तकर्ता हैं।

18.4 ICOMOS महासभा

(ICOMOS General Assembly)

सुर्ख़ियों में क्यों ?

- 19वीं ICOMOS (इंटरनेशनल कौंसिल ऑन मान्यूमेन्ट एंड साइट्स) की आम सभा का आयोजन दिसम्बर 2017 को ICOMOS पर बनी भारतीय राष्ट्रीय समिति द्वारा दिल्ली में किया गया।

संगोष्ठी के बारे में

- इस संगोष्ठी का विषय '**हेरिटेज एंड डेमोक्रेसी**' था।
- सभा में पारित 'दिल्ली डिक्लेरेशन ऑन हेरिटेज एंड डेमोक्रेसी' ने इस बात पर बल दिया कि विरासत हेतु लोगों का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है।
- इसमें इस बात पर बल दिया गया कि विरासत एक मौलिक अधिकार और सभी का दायित्व है। साथ ही, विकास की पहलों में संरक्षण उद्देश्य शामिल होने चाहिए तथा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विरासत संसाधनों का महत्व, प्रामाणिकता और मूल्य सुरक्षित रहें।
- घोषणापत्र में कहा गया है कि जीवित विरासत की निरंतरता सुनिश्चित करना, सतत विकास हेतु एक पूर्वशर्त है तथा विरासत का विधायी संरक्षण सभी स्तरों पर विद्यमान सरकारों का उत्तरदायित्व है।

ICOMOS के बारे में

- ICOMOS सांस्कृतिक विरासत स्थलों के संरक्षण और बचाव के लिए कार्य करता है। यह इस प्रकार का एकमात्र वैश्विक गैर-सरकारी संगठन है, जो स्थापत्य और पुरातात्विक विरासत के संरक्षण में सिद्धांत, पद्धति और वैज्ञानिक तकनीकों के अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
- इसका कार्य 1964 के इंटरनेशनल चार्टर ऑन द कंजर्वेशन एंड रेस्टोरेशन ऑफ़ मोनुमेंट्स एंड साइट्स (वेनिस चार्टर) में निहित सिद्धांतों पर आधारित है।

18.5 प्रसार भारती

(Prasar Bharti)

सुर्ख़ियों में क्यों ?

सार्वजनिक प्रसारक प्रसार भारती ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय से आने वाले कई निर्देशों को अस्वीकृत कर दिया है।

प्रसार भारती के बारे में

- यह प्रसार भारती अधिनियम के तहत स्थापित एक सांविधिक स्वायत्त निकाय है। यह 1997 में अस्तित्व में आई थी।
- यह देश का एक सार्वजनिक सेवा प्रसारक है। लोक सेवा प्रसारण का उद्देश्य दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से पूरा किया जाता है।
- प्रसार भारती से पूर्व, AIR और DD सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत मीडिया इकाइयों के रूप में कार्यरत थे।

18.6 सबरीमाला

(Sabrimala)

सुर्ख़ियों में क्यों ?

त्रावनकोर देवस्वाम बोर्ड ने सबरीमाला को राष्ट्रीय तीर्थस्थल के रूप में घोषित करने का अनुरोध किया है।

सबरीमाला के बारे में

- सबरीमाला एक हिंदू तीर्थस्थल है जो केरल के पथनाथिटा जिले की पश्चिमी घाट पर्वत श्रृंखला में पेरियार टाइगर रिजर्व, पेरुनाद ग्राम पंचायत में स्थित है।
- यह विश्व की सर्वाधिक वार्षिक तीर्थ यात्राओं वाले स्थलों में से एक है, जहां प्रत्येक वर्ष लगभग 10 करोड़ श्रद्धालु आते हैं।
- सबरीमाला मंदिर अय्यप्पन का एक प्राचीन मंदिर है जिसे षष्ठ और धर्मषष्ठ के नाम से भी जाना जाता है।
- मंदिर केवल मण्डलपूजा (लगभग 15 नवंबर से 26 दिसंबर), मकरविलक्कु या "मकर संक्रांति" (14 जनवरी) और महा विषुव संक्रांति (14 अप्रैल) के दिनों में और प्रत्येक मलयालम माह के पहले पांच दिनों में पूजा हेतु खुला रहता है।

18.7. इंटरनेशनल डायलॉग ऑन सिविलाइज़ेशन

(International Dialogue on Civilisation)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, नई दिल्ली में **इंटरनेशनल डायलॉग ऑन सिविलाइज़ेशन– IV** का आयोजन किया गया।

डायलॉग ऑन सिविलाइज़ेशन (सभ्यता पर परिसंवाद) के बारे में:

- विश्व की पांच प्राचीन साक्षर सभ्यताओं के संबंध में **विद्वानों और सार्वजनिक बहस** को प्रोत्साहित करने हेतु 2013 में **नेशनल ज्योग्राफिक सोसाइटी** द्वारा इसका प्रारंभ किया गया।

दक्षिण एशियाई सभ्यता

- यह सभ्यता सिंधु और इसकी सहायक नदियों के तट पर विकसित हुई।
- यह मुख्यतः ताम्रपाषाण काल में फली-फूली और विकसित हुई।
- सबसे महत्वपूर्ण दक्षिण एशियाई सभ्यता हड़प्पा सभ्यता थी।
- निष्कर्षों के अनुसार इस सभ्यता की निम्नलिखित विशेषताएं थीं:
  - दो भागों- दुर्ग एवं निचला नगर में विभाजित विस्तृत **नगर योजना**।
  - शहरों का ग्रिड प्रणाली सहित **समानांतर चतुर्भुज** आकार होना।
  - निरीक्षण छिद्रों के साथ **योजनाबद्ध भूमिगत** जल निकासी।
  - **व्यापार** पर आधारित एक **सुव्यवस्थित अर्थव्यवस्था**
  - उन्नत कृषि, मृद्भांड तथा मुहर निर्माण की कला आदि।
  - यहाँ पशुपति और मातृ देवी की पूजा की जाती थी।
  - इन्हें पुनर्जन्म में विश्वास था तथा इन लोगों ने विस्तृत शवाधान प्रक्रिया को अपनाया था।
- पकी हुई ईंटों का व्यापक स्तर पर उपयोग- **पथरों से निर्मित भवनों की अनुपस्थिति**

मेसोपोटामिया की सभ्यता

- इस सभ्यता का उदय वर्तमान ईरान और कुवैत की दजला (टिगरिस) और फरात (यूफ्रेट्स) नदियों के तट पर हुआ था।
- यह लगभग 12000 ई.पू. में नवपाषाण काल के दौरान प्रारम्भ हुई।
- महत्वपूर्ण मेसोपोटामियाई सभ्यता में सुमेरिया, असीरिया, अक्कादिया और बेबीलोनिया की सभ्यतायें शामिल थी। साक्ष्यों के अनुसार इस सभ्यता के अंतर्गत प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाता था। इन्होंने अपना धर्म, साहित्य, विधि संहिता तथा दर्शन स्थापित किया था। साथ ही इस सभ्यता के बाह्य व्यापारिक संबंध भी थे।

चीन की सभ्यता

- यह सभ्यता तृतीय और द्वितीय सहस्राब्दी ईसा पूर्व के मध्य येलो रिवर (पीली नदी) के तट पर तथा 5000 ईसा पूर्व से पहले यांग्त्ज़ी नदी के तट पर विकसित हुई। (नवपाषाण काल)
- इस सभ्यता के निवासी प्रकृति की पूजा करते थे।

मध्य-अमेरिकी सभ्यता

- यह सभ्यता लगभग 21000 ई.पू. में मैक्सिको और मध्य-अमेरिका के हिस्सों में विकसित हुई

मिस्त्र सभ्यता

- इसका विकास नील नदी के किनारे उत्तर पूर्वी अफ्रीका में हुआ।

18.8. जीआई टैग (GI Tag)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में, विभिन्न वस्तुओं जैसे बंगनपल्ली आम, बंदर लड्डू, मामल्लपुरम की मूर्तिकला तथा एतीकोप्पका के खिलौनों को भौगोलिक संकेतक (GI) प्रदान किया गया है।

मामल्लपुरम मूर्तिकला के विषय में

- महाबलीपुरम में 7वीं शताब्दी में **पल्लवों** के शासन काल की **उत्कृष्ट शैल मूर्तिकला तकनीक** को प्रदर्शित किया गया है।
- इसमें गुफा वास्तुकला, शैल वास्तुकला, संरचनात्मक मंदिर, स्वतंत्र खड़ी मूर्तियां, रिलीफ मूर्तियां और चित्रकला/ छवि मूर्तियां सम्मिलित हैं।
- पुरुष एवं स्त्री मूर्तियां सुंदरता के मामले में पूर्णता का प्रतीक हैं।
- इसकी **विशेषताओं** में चौड़ा मस्तक, तीक्ष्ण नाक, बड़ी आंखें, लटकते हुए कान एवं अंडाकार चेहरा तथा दोहरी ठोढ़ी सम्मिलित है।

- मामल्लपुरम के मूर्तिकार अभी भी नक्काशी हेतु **हथौड़ा एव छेनी तकनीक** का उपयोग करते हैं तथा **शिल्प शास्त्रों** में प्रतिपादित अधिक समय लेने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं का पालन करते हैं।
- मामल्लपुरम का नाम सातवीं सदी के मध्य में नरसिंहवर्मन पल्लव को प्राप्त प्रसिद्ध उपाधि के नाम पर रखा गया था।

एटिकोप्पाका के खिलौने (एटिकोप्पाका बोम्मलु) के विषय में

- ये खिलौने **आंध्र प्रदेश के एटिकोप्पाका क्षेत्र** में निर्मित तथा गैर विषैले प्राकृतिक रंगों द्वारा रंगे हुए हैं।
- खिलौने आकार एवं उपयोग की गई सामग्रियों में अद्वितीय हैं।
- वे अंकुड़ी कर्रा (राइटिया टिंक्टोरिया) पेड़ की नरम लकड़ी से बनाये गए हैं।
- खिलौने बनाने की इस 400 वर्ष पुरानी कला को **टर्न्ड वुड लैकर क्राफ्ट** कहा जाता है ।

18.9 विविध (Miscellaneous titbits)

- **फालुन गोंग,** चीन में प्रतिबंधित प्राचीन चीनी पूर्णतावादी प्रणाली है, जिसे भारत में मनाया गया। फालुन गोंग व्यायाम (ध्यान, मंद गति का व्यायाम, श्वास को नियंत्रित करना आदि) को नैतिक और आध्यात्मिक उपदेशों के साथ संयुक्त करता है।
- हाल ही में, **कथाकार इंटरनेशनल स्टोरीटेलर फेस्टिवल** का आयोजन किया गया। यह भारत में एकमात्र ओरल स्टोरीटेलर फेस्टिवल (मौखिक रूप से कहानी सुनाने वालोन का महोत्सव) है और **घुमक्कड़ नारायण -** ट्रेवलिंग लिट्रेचर फेस्टिवल का हिस्सा है, जिसे 2010 में **यूनेस्को** के तत्वावधान में प्रारंभ किया गया था ।
- **वर्ल्ड सिटी कल्चरल फोरम (WCCF)-** हाल ही में, मुम्बई WCCF का सदस्य बनने वाला प्रथम भारतीय शहर बन गया है। WCCF, ग्लोबल नेटवर्क का सबसे बड़ा मंच है, जो 33 शहरों को उनकी संस्कृति, डेटा-आधारित अनुसंधान और सूचना साझा करने हेतु एक मंच प्रदान करता है, जिससे भविष्य की समृद्धि में संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका और उसके प्रभाव का अन्वेषण किया जा सके ।
- **गोमीरा डांस,** पश्चिम बंगाल का एक मुखौटा नृत्य है इसकी उत्पत्ति के जड़ें शक्तिवाद और आद्य शक्ति (प्रारंभिक ऊर्जा) की पूजा में हैं। इसके नर्तक पुरुष होते हैं जो पुरुष, महिला और जानवर जैसे कई पात्रों का किरदार निभाते हैं।